9 समय-सारिणी

समय बहुत क़ीमती है, समय का हमारे जीवन में बहुत ही महत्त्व है। समय के सदुपयोग के लिए जीवन में किसी भी काम का व्यवस्थित आयोजन करना अत्यंत आवश्यक है। समय की बचत के लिए ही हमारे रोजमर्रा के काम, पाठशाला, बस, रेल, हवाई जहाज आदि की समय सारिणी बनाई जाती है। यहाँ इस इकाई में ऐसी ही कुछ समय सारिणी अभ्यास के लिए रखी हैं।

एक आदर्श उपभोक्ता के रूप में हमारे क्या-क्या फर्ज़ एवं अधिकार बनते हैं इसकी जानकारी हेतु इस इकाई में कुछ भाव-पत्रक आदि जानकारी के हेतु रखे हैं।

बच्चो, आप रोज सुबह में जागने से लेकर सोने तक क्या-क्या प्रवृत्ति करते हैं, लिखिए –

क्रम	समय	प्रवृत्ति

आपके घर से कौन, कितने बजे और कहाँ जाते हैं? उसकी समय सारिणी बनाइए।

क्रम	नाम	समय	कहाँ (स्थल)

समय-सारिणी

राधनपुर बस डिपो, पालनपुर विभाग

प्लेटफार्म नं. 1 वाराही-रापर की ओर	समय	प्लेटफार्म नं. 2 भुज-मांडवी की ओर	समय	प्लेटफार्म नं. 3 समी-शंखेश्वर की ओर	समय	प्लेटफार्म नं. 4 दियोदर-भाभर की ओर	समय	प्लेटफार्म नं. 5 महेसाणा-अह. की ओर	समय
सुरत-रापर	5:30	राधनपुर-नारणसरोवर	7:30	राधनपुर-डाकोर	6:00	जुनागढ़-दियोदर	5:30	राधनपुर-मोडासा	5:00
राधनपुर-गांधीधाम	8:30	हारीज-भुज	8:00	राधनपुर-सुरत	6:30	राधनपुर-भाभर	6:00	राधनपुर-इडर	6:00
राधनपुर-मुन्द्रा	13:30	महेसाणा-नखत्राणा	9:00	दियोदर-आणंद	6:45	शंखेश्वर-थराद	7:30	सूईगाम-गांधीनगर	8:15
राधनपुर-रापर	14:00	विसनगर-भुज	10:45	दियोदर-अहमदाबाद	7:30	अहमदाबाद-दियोदर	9:00	राधनपुर-विसनगर	8:30
ऊँझा-अंजार	14:30	पाटन-मांडवी	11:15	राधनपुर-बेचराजी	8:30	माणसा-भाभर	10:00	राधनपुर-महेसाणा	10:00
दियोदर-रापर	15:00	पालनपुर-भुज	12:30	थराद-अहमदाबाद	9:15	अंजार-दियोदर	10:30	राधनपुर-अहमदाबाद	10:30
ऊँझा-रापर	15:30	अंबाजी-भुज	14:15	रापर-आणंद	10:00	राधनपुर-थराद	13:00	रापर-झालोद	10:30
राधनपुर-फतेगढ़	15:30	थराद-भुज	16:15	राधनपुर-सुरेन्द्रनगर	11:00	हारीज-भाभर	14:00	भुज-विसनगर	11:00
ऊँझा-रापर	16:00	अंबाजी-मांडवी	18:30	थराद-वलसाड	13:00	विजापुर-कटाव	17:30	दियोदर-अहमदाबाद	13:30
पाटन-रापर	16:45	बाड़मेर-भुज	22:00	मांडवी-अहमदाबाद	14:15	विसनगर-दियोदर	18:00	मांडवी-महेसाणा	15:15
झालोद-रापर	17:30	अंबाजी-माता का मढ़	22:45	भुज-शंखेश्वर	17:30	आणंद-दियोदर	20:15	भाभर-सुरत	20:30
वलसाड-रापर	20:45	वडनगर-भुज	23:00	राधनपुर-शंखेश्वर	17:45	वलसाड-थराद	23:00	रापर-सुरत	21:30

- ● काले रंग से लिखे रूट लोकल बस के हैं।
- ● लाल रंग से लिखे रूट एक्सप्रेस बस के हैं।

★ हर पूनम के लिए एक्स्ट्रा बस

- ■ राधनपुर-चोटीला 6:00
- ■ राधनपुर-अंबाजी 6:00
- ■ राधनपुर-मोमाइमोरा 7:00
- ■ राधनपुर-बेचराजी 7:00

(यह समय-सारिणी केवल छात्रों के अभ्यास हेतु है।)

निर्देशित समय-सारिणी के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(1) काले रंग से लिखित **रूट** का क्या मतलब है?

(2) लाल रंग से लिखित **रूट** का क्या मतलब है?

(3) अब बताइए प्लेटफार्म नं. 2 से जानेवाली 'अंबाजी-माता का मढ़' बस लोकल है या एक्सप्रेस?

(4) प्लेटफार्म नं. 4 से जानेवाली 'वलसाड-थराद' बस समय-सारिणी के अनुसार 23:00 बजे जायेगी, तब आपकी घड़ी के अनुसार क्या समय होगा?

(5) प्लेटफार्म नं. 5 पर कहाँ-कहाँ की बसें लगेंगी?

(6) एक्स्ट्रा बसें कब जाएँगी?

बसों की समय-सारिणी, इ-बुकींग (रिजर्वेशन), रोड मेप आदि की अधिक जानकारी के लिए गुजरात एस.टी.की वेबसाइट देखें -

www.gsrtc.in

- रेल गाड़ियों के बारे में कोई भी जानकारी के हेतु अपने फोन से 139 नंबर डायल कीजिए।
- रेल के बारे में अधिक जानकारी के लिए पश्चिम रेल की वेबसाइट देखें -
  www.wr.indianrailways.gov.in
- अगर आप हवाई उड़ान करना चाहते हैं, तो हवाई अड्डे, हवाई समय-सारिणी, ई-बुकींग आदि के लिए एयर इंडिया की वेबसाइट देखें -
  www.home.airindia.in

StarPlus

12:00	गुलाल	16:30	ससुराल गेंदा फूल
12:30	यह रिश्ता क्या कहलाता है	17:30	इस प्यार को क्या नाम दूँ
13:00	तेरे मेरे सपने	18:00	मन की आवाज़... प्रतिज्ञा
13:30	हमारी देवरानी	19:00	साथ निभाना साथिया
14:00	सपनों से भरे नैना	19:30	ससुराल गेंदा फूल
14:30	मर्यादा... लेकिन कब तक	20:00	इस प्यार को क्या नाम दूँ
15:00	नव्या	20:30	मायके से बंधी डोर
15:30	इस प्यार को क्या नाम दूँ	21:00	गुलाल
16:00	यह रिश्ता क्या कहलाता है	21:30	यह रिश्ता क्या कहलाता है
		22:00	नव्या
		22:30	मन की आवाज़... प्रतिज्ञा
		23:00	मर्यादा... लेकिन कब तक
		23:30	ससुराल गेंदा फूल

टेलीविज़न प्रसारण की समय-सारिणी

MAX

08:30 कसम पैदा करनेवाले की
12:00 हम हैं राही प्यार के
16:00 खाकी
20:00 मेरी जंग : वन मेन आर्मी

Discovery CHANNEL

10:00 फेक्टरी मेड
10:30 टाइम वर्ष
11:00 वाइल्ड एन्काउन्टर्स
12:00 क्युलिनरी एशिया
13:00 वाइल्ड डिस्कवरी
14:00 हाउ ध युनिवर्स वर्क्स
16:00 स्पीड ऑफ लाइफ
17:00 डिस्कवरी सोकेश
18:00 वाइल्ड डिस्कवरी
19:00 जोय ऑफ डिस्कवरी
21:00 फेक्टरी मेड
21:30 टाइम वर्ष
22:00 हाउ डु धे डु इट?
23:30 डेस्ट्रॉइड इन सेकन्ड्स

B4U Music

07:04 आवाज़ दे कहाँ है
08:30 लाइ इट आउट
09:00 मोर्निंग मसाला
10:15 लाफ इट आउट
11:00 सोलिड हिट्स
12:30 आवाज़ दे कहाँ है
13:35 बोलिवुड बंग-बंग
15:00 बजाओ
16:00 सोलिड हिट्स
17:00 सुपर हिट्स
18:00 सोलिड हिट्स
19:00 बोम बोक्स
20:00 बोलिवुड बंग-बंग
21:04 आवाज़ दे कहाँ है

TIMES NOW
Always with the news.

09:00 न्युज़ नाउ
12:00 लाइव रिपोर्ट
12:30 न्युज़ नाउ एट-1
13:30 न्युज़ नाउ
18:00 6-पी.एम.
18:30 लाइव रिपोर्ट
21:00 ध न्युज़ अवर
22:00 ध न्युज़ अवर प्लस
22:30 एनोव
23:00 न्युज़ नाउ एट-11
23:30 न्युज़ नाउ ओवर नाइट

आप टेलीविज़न पर कौन-कौन से कार्यक्रम देखते हैं, उसकी समय-सारिणी बनाइए -

क्रम	कार्यक्रम का नाम	कार्यक्रम का समय	चेनल का नाम

- **निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए :**

  (1) आपको टी.वी. का कौन-सा कार्यक्रम सबसे ज्यादा पसंद है? क्यों?

  (2) आप टी.वी. पर शिक्षा संबंधी कौन-कौन से कार्यक्रम देखते हैं?

  (3) आप अपने टी.वी. पर प्रसारित होनेवाले कार्यक्रमों का मेनू कैसे देखेंगे?

हम कोई भी वस्तु या सेवा पैसे देकर खरीदते हैं तो हमारा यह भी अधिकार बनता है कि हमने जो वस्तु या सेवा खरीदी है वो अच्छी हो। उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए हमारे देश में उपभोक्ता अधिनियम भी बनाया गया है। एक आदर्श उपभोक्ता के रूप में हमारा हक एवं फ़र्ज़ बनता है कि हम जो सेवा या वस्तु खरीदते हैं उसके नाप-तोल, भाव-ताल आदि के बारे में पूरी जानकारी प्राप्त करें। आओ यहाँ हम एक होटल के मेनु का अभ्यास करें -

होटल बच्चा पार्टी

मेनु

गुजराती थाली	65-00
गुजराती थाली (फिक्स)	45-00
पुरी-शाक	35-00
श्रीखंड-पुरी	40-00

सब्जी

दालफ्राय	20-00
चना मसाला	25-00
सेव टमाटर	20-00
सेव मसाला	30-00
आलू पालक	25-00
मिक्स भाजी	22-00
आलू मसाला	25-00
आलू मटर	30-00

पनीर सब्जी

पालक पनीर	35-00
काजू करी	50-00
पनीर भुरजी	40-00
मलाई कोफ्ता	35-00
पनीर टीका	40-00
मटर पनीर	35-00

सलाड - सेहत के रखवाले...

टमाटर	10-00
ककड़ी-टमाटर	10-00
ग्रीन सलाड	15-00

सब्जी के संग-संग...

रोटी	5-00
चपाती	4-00
नान	8-00
परोठा	7-00

राईस

जीरा राईस	35-00
पुलाव	40-00
वेज बिरयानी	45-00
सादा राईस	20-00

कुछ चटपटा हो जाय...

पाउ-भाजी	25-00
पीज़ा	35-00
मसाला डोसा	25-00
वडा पाउ	8-00
सेन्डवीच	7-00
भेल	15-00
दाबेली	5-00

कुछ ठंडा हो जाय...

छाछ	5-00
दूध	10-00
आइसक्रीम	20-00
बादाम शेक	25-00
लस्सी	25-00

प्रश्न 1. उपर्युक्त मेनु में से आपको खाने में क्या-क्या पसंद है? उसकी सूची बनाएँ एवं भाव लगाकर बील बनाइए।

क्रम	वस्तु का नाम	मूल्य
1.		
2.		
3.		
4.		
5.		
6.		
7.		
8.		
9.		
10.		
	कुल	

प्रश्न 2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(1) क्या आप कभी कोई भी बील का टोटल मूल्य जाँचते हैं?

(2) हमें बील का टोटल मूल्य क्यों जाँचना चाहिए?

(3) हम कोई वस्तु खरीदते हैं तो उसका बील क्यों लेना चाहिए?

(4) खाने-पीने की वस्तुओं पर लगाए जानेवाले '●' इस चिह्न का क्या अर्थ है?

पंडित दीनदयाल उपभोक्ता भण्डार वाजिब भाव की सरकार मान्य दुकान

ला.नं. : 2/6/73 दिनांक. : 01/08/2011

क्रम	वस्तु का नाम	प्रति आदमी अनुपात	प्रति कार्ड अनुपात अधिकतम संख्या अनुसार	कीमत
1.	चीनी	350 ग्राम	350 ग्राम	13.50
2.	नमक (आयोडीन युक्त)	1 कि.ग्रा.	1 कि.ग्रा.	1.00
3.	गेहूँ	15 कि.ग्रा.	15 कि.ग्रा.	5.40
4.	चावल	6.5 कि.ग्रा.	6.5 कि.ग्रा.	7.00
5.	मिट्टी का तेल	1.5 लिटर	1.5 लिटर	14.35

(केवल छात्रों के अध्ययन हेतु)

उपर्युक्त भाव–पत्रक के आधार पर बताइए कि आपके परिवार के सदस्यों की संख्या के अनुसार आपको कौन–सी चीज कितनी मिलेगी और कितने रुपये होंगे?

(1) आपको चीनी कितनी मिलेगी?

(2) आपको चावल कितना मिलेगा? और कितने रुपये होंगे?

(3) हमें क्यों आयोडीनयुक्त नमक खाना चाहिए?

(4) मिट्टी के तेल का हम क्या उपयोग करते हैं?

योग्यता विस्तार

- उपभोक्ता अधिकार की अधिक जानकारी के लिए देखें –
  www.ncdrc.nic.in
- आपकी पाठशाला की हस्तलिखित समय–सारिणी, आपके गाँव या शहर के बस, रेल आदि की समय–सारिणी का अध्ययन करें।
- वाणिज्योपयोगी शब्द :

अंश	– શૅર	निख	– નેટ
उठाव	– ઉપાડ	नीलाम	– લીલામ, હરાજી
उधार	– ઉધાર	पेशगी (बयाना)	– બાનું
औसत	– સરાસરી	फुटकर	– છૂટક
कमीबेशी	– વધઘટ	बट्टा	– વળતર
पीढ़ी	– પેઢી	बढ़ती	– ઉછાળો
खरीददार	– ગ્રાહક	बही	– ચોપડો, વહી
खाता	– ખાતુ	बिकवाली	– વેચાણ, વિક્રય
गिरावट	– ઘટાડો	मँगनी	– મુદતી હૂંડી
बखार	– વખાર	महसूल	– નૂર, મહેસૂલ
घटबढ़	– વધઘટ	मुनाफ़ा	– નફો
चुंगी	– જકાત	रुक्का	– ચેક
जमा	– જમા	लाभांश	– ફાયદો
जोखिम	– જોખમ	लेवाली	– ખરીદી
थोक	– જથ્થાબંધ	सूद	– વ્યાજ
दस्तखत	– સહી	हिसाब	– હિસાબ
नकद	– રોકડા	हिस्सेदार	– ભાગીદાર

10 अंदाज अपना-अपना

किसी भी विषय के सम्बन्ध में तर्कपूर्ण सोचना या चिंतन करना, मनन करते हुए अपनी बात को प्रगट करना तार्किक चिंतन कहलाता है। तार्किक चिंतन वैज्ञानिक अभिगम पर आधारित व्यक्ति की सोच-विचार करने की मानसिक प्रक्रिया है। इस मुक्त चिंतन में व्यक्ति अपने जीवन के अनुभव, मान्यताएँ और दृष्टिकोण का उपयोग माहिती का पृथक्करण करने के लिए करता है और माहिती की सत्यता तक पहुँच कर निर्णय लेता है।

प्रस्तुत इकाई में तार्किक चिंतन के बहु आयामी सोच का विकास-विस्तार हो, ऐसे वैविध्यपूर्ण कुछ अभ्यास रखे गए हैं।

दिमागी दौड़

भावेशभाई वकील हैं। वह अपनी पत्नी लीना और पुत्र व्रज के साथ सुरत में रहते हैं। छोटा परिवार, सुख का आधार होता है। उनका जीवन भी खुशहाल था। एक बार दीपावली की छुट्टियों में वे तीनों अंबाजी गए। चार दिन बाद वापस आकर देखा तो चौंक गए। उन्होंने देखा कि घर के बाहर जो बगीचा है, उसके पेड़-पौधों के कई फूल-पत्ते झड़ गए हैं। घर के अन्दर जाकर देखा तो पूरा कमरा धूल से खराब हो गया था। दीवार पर की लीना और व्रज की तसवीरें भी नीचे गिर गई थीं और टूट गई थीं।

नन्हें मुन्ने बच्चो! ऐसा क्यों हुआ होगा? वे समझ नहीं पाए। आप बड़े अक्लमंद है, आप ही उन्हें बताइए।

◆

परेशभाई किसान हैं। उनकी पत्नी हीरलबहन नर्स है। एक दिन सुबह-सुबह हीरलबहन ने पानी के नल के नीचे जल्दबाजी में एक मटका रखा। बाद में नल चालू किया और रसोईघर में चाय बनाने चली गई। चाय बनाने के बाद जब वापस आकर देखा तो मटका खाली था। उसमें पानी नहीं था। हीरलबहन अपने आप पर हँसने लगी।

मेरे समझदार दोस्त, अब आप ही बताइए कि ऐसा क्यों हुआ होगा?

◆